<u>संदेश</u>

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि लोगों के बीच क्षय रोग (टीबी) के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 24 मार्च 2021 को 'विश्व क्षय रोग दिवस' मनाया जा रहा है। 1882 में इसी दिन, डॉ. रॉबर्ट कोच ने उस जीवाणु की खोज के बारे में अवगत कराया था जिसके कारण क्षय रोग होता है। इससे इस घातक रोग के निदान और इलाज का मार्ग प्रशस्त हुआ।

वर्ष 2020 विश्व के साथ-साथ भारत के लिए भी स्वास्थ्य-चर्या के क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन वाला काल था। कोविड-19 महामारी के कारण प्रत्येक व्यक्ति के लिए सुलभ, गुणवत्ता-परक स्वास्थ्य प्रणाली का महत्व स्पष्ट हुआ है।

सम्पूर्ण 'राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम' कोविड-19 के विरुद्ध लड़ाई में सबसे आगे रहा है। टीबी उन्मूलन के प्रयासों को जारी रखते हुए कोविड महामारी से निपटने की उनकी प्रतिबद्धता सराहनीय है। संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत सरकार प्रतिबद्ध है। इसका कार्यान्वयन 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' के तत्वावधान में किया जा रहा है, जो दुनिया की सबसे बड़ी राष्ट्रीय बीमा योजना है।

कठिन परिस्थितियों के बावजूद , राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की सराहनीय उपलब्धियों के लिए मैं उनकी प्रशंसा करता हूं। इस अवसर पर , हमें 'हेल्थ फॉर ऑल' के लक्ष्य को हासिल करने के अपने प्रयासों को और बल देना चाहिए, और भावी पीढ़ियों के लिए उज्ज्वल तथा स्वस्थ भविष्य का निर्माण करना चाहिए।

****